

# अब UP वाला कहलाने में होता है गर्व : योगी

## 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' के लिए CM मुंबई दौरे पर

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि उनके राज्य के लोगों को 'उत्तर प्रदेश का निवासी होने' पर अब गर्व महसूस होता है, जबकि पांच साल पहले तक ऐसा नहीं होता था. लखनऊ में अगले महीने होने वाले 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' से पहले आदित्यनाथ दो दिन के लिए मुंबई के दौरे पर हैं. यहां वह गुरुवार को रोडशो करेंगे और उद्योग जगत तथा बॉलीवुड के लोगों से मिलेंगे. मुंबई में बसे उत्तर प्रदेश के लोगों को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि पांच साल पहले, देश-विदेश, कहीं पर भी उत्तर प्रदेश के लोग अपनी पहचान नहीं बताते थे, अपने पैतृक स्थान के बारे में बात तक नहीं करते थे. लेकिन अब राज्य के लोगों को यह कहने में गर्व महसूस होता है. उन्होंने कहा कि अब लोगों को (खुद को उत्तर प्रदेश का निवासी बताने पर) शर्म या झिझक नहीं होती है.

## 1 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य हासिल करेगा UP

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अर्थ नगरी (महाराष्ट्र) और धर्म नगरी (उत्तर प्रदेश) के समन्वय से उत्तर प्रदेश का विकास तेज होगा और भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण योगदान देगा. हम जिस गति से तेज विकास कर रहे हैं और तमाम उद्योग क्षेत्रों में निवेश बढ़ रहा है, इंफ्रास्ट्रक्चर उन्नत हो रहा है, उसके कारण निश्चित ही अगले 5 साल में उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल कर लेगा. आज यूपी में सबसे ज्यादा 96 लाख एमएसएमई हैं, जो 1.60 लाख करोड़ रुपए का निर्यात कर रहे हैं.



## 'नवभारत' का नया उत्तर प्रदेश

लखनऊ में 10 से 12 फरवरी 2023 को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए किए निवेश जुटाने मुंबई आए सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश मूल के लोगों से संवाद करते हुए कहा कि 'नवभारत' का नया उत्तर प्रदेश चुनौतियां देख पलायन नहीं करता, सामना करता है. हम संकट के साथी हैं. सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना के दौरान जब प्रवासियों के समक्ष पलायन का संकट आया तो उत्तर प्रदेश ने सबको सहारा दिया. 40 लाख प्रवासी आए. लाखों को एमएसएमई में रोजगार दिया गया.

## 'गांव वालों' की समस्याएं हल करने मुंबई में रेजिडेंस कमिश्नर जल्द

सीएम योगी ने कहा कि मुंबई में जल्द ही एक आईएस रैंक के अधिकारी की रेजिडेंस कमिश्नर के रूप में नियुक्ति की जाएगी, जो यहां रहने वाले उत्तर प्रदेश वासियों की समस्याओं का समाधान करेगा. चूंकि मुंबई

और महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश को लोग रहते हैं. उनकी गांव की समस्या होती है, उस समस्या के लिए उन्हें गांव जाने की जरूरत नहीं होगी. यहीं पर रेजिडेंस कमिश्नर उन समस्याओं का समाधान करेगा.